Title: Regarding various terrorist activities in various parts of the country.

**श्री प्रभुनाथ सिंह :** अध्यक्ष महोदय, हम बहुत कम समय में बोलना चाहते हैं। महोदय जब से यह सरकार बनी है, तब से देश के विभिन्न प्रदेशों जैसे जम्मू-कश्मीर, असम, त्रिपुरा में विभिन्न आतंकवादी संगठनों के द्वारा आतंकवादी घटनाए हो रही हैं और प्रतिदिन इन घटनाओं में बढ़ौतरी हो रही है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि 19 जून, 2004 को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में किये गये दो ग्रेनेड हमलों में कम से कम 19 लोग घायल हो गये, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर थी और कुछ लोग मर भी चुके हैं। तीन जुलाई, 2003 को श्रीनगर और अनंतनाग में शक्तिशाली विस्फोट कर दो व्यक्तियों की हत्या कर दी गई और तीन सैनिकों समेत अन्य 58 लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। 25 जून, 2004 को श्रीनगर के निकट पुलवामा जिले में इरकॉन के इंजीनियर और उनके भाई की हत्या कर गई। 24 जून, 2004 को असम के शिवसागर जिले में संदिग्ध उल्फा उग्रवादियों के द्वारा एक सरकारी बस में किये गये बम विस्फोट में कम से कम सात व्यक्तियों की मौत हो गई और अनेक घायल हो गये। इसी तरह 19 जून, 2004 को असम के तिनसुकिया शहर में भीड़-भाड़ वाले बाजार में बम विस्फोट में 12 लोग जख्मी हो गये, जिनमें से कुछ लोगों की स्थिति नाजुक है। 23 जून, 2004 को उत्तरी त्रिपुरा के कंचनपुर सब-डिवीजन में 24 अपहृत नागरिकों के फिरौती की कीमत के रूप में आतंकवादियों ने 50 लाख मांगे हैं और उन्हें अपहृत कर वे बंगलादेश ले गये हैं। प्रशासनिक लापरवाही के कारण आतंकवादी संगठन एन.एल.एफ.टी. ने उत्तरी त्रिपुरा के 24 व्यवसायियों को अगवा कर बंगलादेश ले जाने का काम किया है।

अध्यक्ष महोदय, हम बताना चाहते हैं कि जब से यह सरकार बनी है, देश के विभिन्न प्रदेशों में आतंकवाद की घटनाओं में बढ़ौतरी हो रही है। मीडिया में, चैनलों पर और अखबारों में ये समाचार आ रहे हैं और देश के लोग इससे बहुत चिंतित हैं और मैं महसूस करता हूं कि सदन भी इससे चिंतित होगा और महोदय आप भी सबसे ज्यादा चिंतित होंगे। हम आपसे निवेदन करना चाहते हैं कि सरकार को इस बारे में स्थिति स्पट करनी चाहिए। यह बहुत गंभीर सवाल है। ऐसे सवाल पर सदन की कार्रवाई रोककर इस पर विशेा बहस करानी चाहिए कि इसमें सरकार की क्या चिंता है। देश में जो हालात बनते जा रहे हैं उनसे सरकार कितनी चिंतित है तथा इन्हें रोकने के लिए सरकार क्या कदम उठाने जा रही है। इन सब सवालों पर सरकार को अपनी स्थिति स्पट करनी चाहिए।

MR. SPEAKER: Thank you very much for your cooperation. Now Shri Swain to speak. But I am making it clear that this will not be repeated from tomorrow. There is no provision in the rules for this elucidation of Adjournment Motion irrespective of whatever may have been done in the past.

...(*Interruptions*)

**श्री प्रभुनाथ सिंह :** इस पर चर्चा का कोई सवाल नहीं है। आपके नियमन पर हम कोई चर्चा और आपत्ति नहीं करने जा रहे हैं।

MR. SPEAKER: This will not be permitted. You have made a very good point but if you had followed the rule that would have been good.

**श्री प्रभुनाथ सिंह :** अध्यक्ष जी, जब आप यहां बैठते थे तो उस समय क्या होता था, इसलिए आप नियम बना दीजिए। इसलिए यहां पर ख्याल रखकर कोई निर्णय कीजिए।

MR. SPEAKER: This is a very important issue. I am sure it will be discussed.

SHRI KHARABELA SWAIN : Sir, I raised this only because that was the practice in the last Lok Sabha. Otherwise, I would not have told you anything....(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please speak now. I have given you the chance even though you have made accusations to the Chair which I reject.

...(*Interruptions*)

**श्री रामकृपाल यादव (पटना) :** अध्यक्ष महोदय, क्या हम सदन के सदस्य नहीं हैं, क्या हमें कोई अधिकार नहीं है।â€¦ (व्यवधान)

**श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) :** सर, मेरा भी नोटिस है।

**अध्यक्ष महोदय** : श्री डी.पी.यादव जी के अलावा और कोई नोटिस नहीं है, यह सही बात है।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Only your notice is there. It cannot be admitted at this point of time.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You have not given any notice.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please wait for my answer.

MR. SPEAKER: You need not take up his cause.

SHRI KHARABELA SWAIN : Sir, four terrorists were killed by the police on 15th June in Ahmedabad, Gujarat. One of them was from Mumbai and she was a college girl, named Ishrat Jehan. It was most surprising that the leader of the Congress Legislature Party in Gujarat, *â€¦ (Not recorded)* described it as a fake encounter.

MR. SPEAKER: It does not relate to Parliament at all. This matter concerns the State Government.

...(*Interruptions*)

SHRI KHARABELA SWAIN : Sir, you may not like my statementâ€¦ (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I cannot allow you to mention. You are mentioning the name of a gentleman who is not present here.

SHRI KHARABELA SWAIN : Sir, there are people who have given financial assistance to the mother of this terrorist...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I will decide about the admissibility of this matter.

...(*Interruptions*)

SHRI KHARABELA SWAIN : Sir, I appeal to the Government that the people who have given financial assistance to the terrorists should be arrested and they should be put behind bars because they are anti-national people...(*Interruptions*) This is a terrorist-friendly Government who wants to repeal POTA...(*Interruptions*) Sir, I request that there should be a full-length discussion on this matter under Rule 193...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I will decide about the admissibility of this matter and if anything objectionable has been said, it will be expunged.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Devendra Prasad Yadav. Please do not name anybody. If you name anybody, then it will be expunged. Please do not make any allegations.

**श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव :** अध्यक्ष महोदय, मैं तात्कालिक, अविलम्बनीय लोक महत्व के विाय को आपके आदेश से उठाना चाहता हूं। यह हिन्दुस्तान टाइम्स दैनिक समाचारपत्र में भी छपा। करगिल युद्ध के समय जब टाइगर हिल पर युद्ध चरमसीमा पर था, उस वक्त भारत सरकार के तत्कालीन रक्षा मंत्री, तेलगी स्टाम्प घोटाले के अभियुक्त और जिस तेलगी स्टाम्प घोटाले में 30 हजार करोड़ रुपए का घोटालाबताया जाता है, उसमें तेलगी, तेलगी का भाई, â€¦ *

**श्री रामदास बंडु आठवले :** अध्यक्ष महोदय, यह देखिए, मेरे हाथ में यह पेपर की एक फोटो कापी है, â€¦ *

MR. SPEAKER: I shall delete it. I had asked Shri Yadav not to take any name.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Any name taken will be expunged. Why do you not hold your patience?

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Shri Yadav, I would not allow it any more.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: I requested you not to take any name.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: The Special Mentions are over now.

Shri Ghulam Nabi Azad to present the Report of the Business Advisory Committee.

---

* Not Recorded